अध्याय–2

सत्ता में साझेदारी की कार्यप्रणाली

सत्ता में साझेदारी की कार्यप्रणाली

संघात्मक व्यवस्था (दोहरी सरकार)

जहाँ सत्ता केन्द्र सरकार और उसकी विभिन्न इकाइयों (राज्यों) के बीच बँटी रहती है। उदाहरण–भारत, अमेरिका, कनाडा आदि।

एकात्मक व्यवस्था (इकहरी सरकार)

- जहाँ सत्ता केन्द्र सरकार में निहित, एवं
- शासन का एक ही स्तर होता है। उदाहरण – ब्रिटेन आदि।

संघात्मक व्यवस्था विशेषताएँ

दोहरी सरकार : केन्द्र सरकार, राज्य सरकार

- **लिखित संविधान**
- **शक्ति का बँटवारा :**
  - केन्द्र सूची (97 विषय पर कानून बनाने का अधिकार केन्द्र को)
  - राज्य सूची (66 विषय पर कानून बनाने का अधिकार राज्य को)
  - समवर्त्ती सूची (47 विषय पर कानून बनाने का अधिकार केन्द्र एवं राज्य को)
- **स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका**
  - उच्चतम न्यायालय (दिल्ली में)
  - उच्च न्यायालय
  - जिला एवं सत्र न्यायालय
  - अनुमंडल न्यायालय
  - ग्राम कचहरी (सभी ग्राम पंचायत में)

स्थानीय स्वशासन (पंचायती राज व्यवस्था)

नगरीय		
नगर पंचायत	नगर परिषद	नगर निगम
नगर पंचायत के अंग : • अध्यक्ष • उपाध्यक्ष • कार्यपालक पदाधिकारी	**नगर परिषद् के अंग :** • नगर पार्षद • विभिन्न समितियाँ • अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष • कार्यपालक पदाधिकारी	**नगर निगम के अंग :** • महापौर एवं उपमहापौर • निगम परिषद • स्थानीय समिति • परामर्शदात्री समिति • नगर आयुक्त

https://www.evidyarthi.in/

ग्रामीण		
ग्राम पंचायत	**पंचायत समिति**	**जिला परिषद**
ग्राम पंचायत के अंग : • ग्राम सभा • मुखिया • ग्राम कचहरी • ग्राम रक्षा दल • ग्राम पंचायत सचिव	**पंचायत समिति के अंग :** • प्रमुख • उपप्रमुख • पंचायत समिति का सदस्य • प्रखण्ड विकास पदाधिकारी	**जिला परिषद् के अंग :** • अध्यक्ष • उपाध्यक्ष • समितियाँ • उप विकास आयुक्त

स्थानीय स्वशासन : जब किसी स्थानीय क्षेत्र का शासन उस क्षेत्र के लोगों अथवा प्रतिनिधियों द्वारा चलाया जाए स्थानीय स्वशासन कहलाता है।

ग्रामीण स्थानीय निकाय :

स्तर	निकाय का नाम	कार्यकाल	प्रधान / प्रमुख
ग्राम	ग्राम पंचायत	5 वर्ष	मुखिया
प्रखण्ड	पंचायत समिति	5 वर्ष	प्रमुख
जिला	जिला परिषद	5 वर्ष	जिला परिषद का अध्यक्ष

शहरी स्थानीय निकाय

स्तर	निकाय का नाम	कार्यकाल	प्रधान / प्रमुख
कस्बा जनसंख्या : 12000–40,000	नगर पंचायत	5 वर्ष	नगर पंचायत अध्यक्ष
छोटा शहर जनसंख्या–40,000 – 2,00,000	नगर परिषद	5 वर्ष	नगर परिषद् अध्यक्ष / मुख्य पार्षद्
बड़े शहर जनसंख्या– 2 लाख से अधिक	नगर निगम	5 वर्ष	महापौर या मेयर

स्थानीय निकाय के आय के स्रोत एवं कार्य

आय का स्रोत	कार्य
केन्द्र–राज्य सरकार द्वारा प्राप्त अंशदान या अनुदान एवं विभिन्न प्रकार के कर। जैसे : जल कर, रौशनी कर, पथ–कर, मनोरंजन–कर, वाहन–कर, आवास–कर।	निकाय के लिए योजना एवं वार्षिक बजट तैयार करना, कृषि, शिक्षा, पशुपालन, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण का विकास, सड़क निर्माण, रौशनी प्रबंधन, पीने का पानी एवं कर–निर्धारण।

नोट – शहरी स्थानीय निकाय एवं ग्रामीण स्थानीय निकाय के क्षेत्र अलग–अलग हैं, लेकिन उनके अधिकार एवं कार्य एक जैसे हैं। सिर्फ प्रधानों के नाम अलग–अलग होते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

बोर्ड द्वारा पूछे गए सवाल :

1. नगर पंचायत के प्रमुख अंग कौन–कौन है?
2. नगर निगम के प्रमुख कार्यों का वर्णन करें।
3. ग्राम पंचायत के कार्य एवं शक्तियों का वर्णन करें।
4. जिला परिषद् के तीन कार्य लिखें।
5. संघात्मक व्यवस्था /सरकार से क्या समझते हैं?

◆◆◆

https://www.evidyarthi.in/